DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS दैनिक जागरण नई दिल्ली, 4 अक्टूबर, 2022 ATED----------

दुर्गा माता की मूर्ति विसर्जन के लिए अब तक तैयार नहीं हो पाए अस्थायी तालाब

यमुना में विसर्जन रोकने के लिए तैनात कर दिए गए हैं सिविल डिफेंस वालंटियर

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : दुर्गा पूजा का उत्साह जोरों पर है। बुधवार को मां दुर्गा की मूर्ति का विसर्जन होना है, लेकिन दिल्ली में अब तक इसके लिए अस्थायी तालाब तैयार नहीं हो पाए हैं। जिला प्रशासन जहां इन्हें बनवा रहा है, सोमवार तक वहां पर केवल जमीन की खोदाई कर गड्ढे में तिरपाल बिछाया जा सका है। तालाब में मूर्ति लेकर उतरने के लिए सीढ़िया नहीं बनाई गई हैं। पानी भरने से लेकर कई काम अधूरे छूटे हुए हैं। इस पर प्रशासन का दावा है कि ज्यादातर काम पूर्ण हो चुका है। श्रद्धालु जब मूर्ति विसर्जन के लिए आएंगे, तब अस्थायी तालाबों पूर्ण व्यवस्थाओं के साथ पूरी तरह पानी से लबालब मिलेंगे।

पूर्वी जिले में चाचा नेहरू बाल चिकित्सालय के पास गीता कालोनी में छोटी और बड़ी मूर्तियों के विसर्जन के लिए दो अलग-अलग अस्थायी तालाब बनाए जा रहे हैं। दोनों तालाबों की लंबाई व चौड़ाई 60-60 फीट है, सिर्फ गहराई में अंतर है। छोटी मूर्तियों के लिए बनाए जा रहे तालाब की गहराई साढ़े चार फीट रखी गई है। बड़ी मूर्तियों के लिए बन रहे तालाब की गहराई साढ़े पांच फीट रहेगी। इस जिले में त्रिलोकपुरी 36-ब्लाक, आइपी एक्सटेंशन में डीसीपी कार्यालय के पास और रेडफाक्स होटल के पास अस्थायी तालाब बनाने का काम जारी है। उत्तर पूर्वी जिले के शिव विहार में वीर सावरकर अस्पताल और यमुना विहार में एमटीएनएल ग्राउंड में अस्थायी तालाब बनाए जा रहे हैं।दक्षिणी जिले में चिराग दिल्ली, सीआर पार्क के डी-ब्लाक, गोविंदपुरी के सेवा सिंह पार्क, सीआर पार्क के बी-ब्लाक, कापरेटिव ग्राउंड, मेला ग्राउंड, सर भोजनयन घाट समेत कई अन्य जगहों पर अस्थायी तालाब बनाने का काम चल रहा है। नेहरू प्लेस के निकट आस्था कुंज में काफी बड़ा अस्थायी तालाब बनाया जा रहा है। दक्षिण पश्चिम जिला में प्रशासन द्वारका सेक्टर-23 स्थित डीडीए की जमीन में दो अस्थायी तालाब बनवा रहा है। यहां पर द्वारका और महावीर एन्क्लेव के पंडालों से लोग दुर्गा मां की मूर्ति लेकर विसर्जित करने आएंगे।

विसर्जन के लिए गीता कालोनी में तैयार होता अस्थायी तालाब ● जागरण

दुर्गा मां की मूर्ति विसर्जन को लेकर अस्थायी तालाब बनाने का काम जोरों पर चल रहा है। विसर्जन के समय से पहले यह तालाब पूरी तरह तैयार हो जाएंगे। श्रद्धालुओं को किसी तरह की असुविधा नहीं होगी।

– राजेंद्र कुमार, एसडीएम, पूर्वी जिला

पुलिस उपायुक्त एम हर्षवर्धन के साथ बैठक के दौरान कहा गया था कि विसर्जन के संबंध में जिला प्रशासन से बात कर समुचित जानकारी दी जाएगी, लेकिन अभी तक जानकारी नहीं दी है।

गणपति झा, अध्यक्ष, दुर्गा पूजा समिति राणाजी एन्क्लेव

तालाब बनाने व पाटने में मिलकर काम करेंगी एजेंसियां

रजनीश कुमार पाण्डेय ● दक्षिणी दिल्ली

दक्षिणी दिल्ली जिले में जगह-जगह विसर्जन के लिए कृत्रिम तालाब या घाट बनाए गए हैं, जहां आसपास की मूर्तियों का विसर्जन लोग कर सकेंगे। इन कृत्रिम घाटों और तालाबों को बनाने से लेकर विसर्जन के बाद गड्ढों को फिर से भरने की जिम्मेदारी सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग, दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए), दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) व दिल्ली जल बोर्ड को संयुक्त रूप से सौंपी गई हैं। यमुना में विसर्जन रोकने के लिए दिल्ली पुलिस के सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया जाएगा। वाहनों का रूट डायवर्जन भी किया जा सकता है।

सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के जूनियर इंजीनियर लोकेश कौशिक ने बताया कि इन कृत्रिम तालाबों या घाटों के लिए गड्ढे खोदने के बाद पन्नी व त्रिपाल बिछाकर जल बोर्ड द्वारा पानी भरा जाएगा, जिनमें मूर्तियों के पूरी तरह से डूबने के लिए जल की व्यवस्था की जाएगी। इन गड्ढों में जल भरने की जिम्मेदारी वैसे तो दिल्ली जल बोर्ड की है, लेकिन यदि जल बोर्ड पानी की व्यवस्था नहीं कर पाता है, तो सिंचाई विभाग डीडीए की मदद भी ले सकता है। इन तालाबों या घाटों के पास बिजली की उचित व्यवस्था की जा रही है, जिससे देर रात आने वाली मूर्तियों के विसर्जन के दौरान अंधेरे की समस्या न हो। दक्षिणी दिल्ली में मुख्यतः चिराग दिल्ली, सीआर पार्क के डी-ब्लाक, गोविंदपुरी के सेवा सिंह पार्क, सीआर पार्क के बी-ब्लाक, कापरेटिव ग्राउंड, मेला ग्राउंड व सर भोजनयन घाट व अन्य कई जगहों पर कृत्रिम घाट बनाए गए हैं। नेहरू प्लेस के निकट आस्था कुंज में 15-20 टैंकर पानी की क्षमता वाला कृत्रिम तालाब बनाया जा रहा है।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

। नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । मंगलवार, 4 अक्टूबर 2022

विंटर एक्शन प्लान के लिए ग्रीन वॉर रूम लॉन्च

प्लान को प्रभावी तरीके से लागू कराने के लिए बनाया गया है ग्रीन वॉर रूम

■ **विस, नई दिल्ली :** पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने विंटर एक्शन प्लान को बेहतर तरीके से लागू करने के लिए ग्रीन वॉर रूम दिल्ली सचिवालय में लॉन्च किया। ग्रीन वॉर रूम में मॉनिटरिंग के लिए 12 सदस्यीय टीम भी बनाई गई है। इसके साथ ही छह अक्टूबर से एंटी डस्ट अभियान भी शुरू कर दिया जाएगा।

गोपाल राय ने बताया कि 12 सदस्यीय टीम का नेतृत्व एनवायरमेंट इंजीनियर बीएमएस रेड्डी करेंगे। प्रदूषण के सोर्स के विश्लेषण करने के लिए वैज्ञानिक डॉ. नंदिता मित्रा को लगाया गया है। यह टीम प्राथमिक प्रदूषकों के स्तर, प्रदूषण पर अंकुश लगाने के उपायों और ग्रीन दिल्ली ऐप के माध्यम से प्राप्त शिकायतों की स्थिति की निगरानी करेगी।

> ग्रीन वॉर रूम की मॉनिटरिंग के लिए बनाई गई 12 सदस्यों की टीम

उन्होंने कहा कि दिल्ली में प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए कई एजेंसियां काम कर रही हैं। उनके समन्वय के लिए ग्रीन वॉर रूम स्थापित किया है। ग्रीन वॉर रूम में पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने एवं खुले में कचरा चलाने से संबंधित सेटलाइट डेटा का भी विश्लेषण किया जाएगा। इस वॉर रूम के सदस्य, ग्रीन दिल्ली ऐप पर जितनी शिकायतें आएंगी, उसे संबंधित 30 विभागों तक पहुंचाने और उनकी मॉनिटरिंग का काम करेंगे।

NDMC में विंटर एक्शन प्लान पर काम शुरू

लुटियंस जोन में प्रदूषण पर काबू पाने के लिए विंटर एक्शन प्लान पर काम शुरू हो चुका है। सड़कों की सफाई के लिए 7 मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मशीनें लगाई गई हैं। धूल-मिट्टी को दबाने के लिए 18 वॉटर टैंकरों से दो शिफ्टों में पानी का छिड़काव किया जा रहा है। कच्ची सड़कों और फुटपाथ पर धूल-मिट्टी न उड़े, इसलिए पौधे और घास लगाए जा रहे हैं। एनडीएमसी उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय के अनुसार एनडीएमसी एरिया में प्रदूषण नियंत्रित करने के लिए इस साल लंबा-चौड़ा प्लान है और इस प्लान पर काम भी शुरू कर दिया गया है। एनडीएमसी एरिया में 365 किमी लंबी सड़कों की रोजाना सफाई होती है, जिनमें से 150-175 किमी लंबी सड़कों की सफाई 7 मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मशीनों से दो शिफ्टों में की जा रही है, ताकि धूल-मिट्टी न उड़े।

उन्होंने बताया कि ग्रीन दिल्ली ऐप पर अभी तक 54,156 शिकायतें आई हैं। इनमें से 90 प्रतिशत का निपटारा हो चुका है। सबसे ज्यादा शिकायतें एमसीडी की 32,573 आई हैं। उसके बाद पीडब्ल्यूडी की 9118 और डीडीए की 3333 आई हैं। 6 अक्टूबर से एंटी डस्ट कैंपेन दिल्ली में शुरू होगा।

हिन्दुस्तान --DATED----------

प्रदूषण पर 24 घंटे नजर रखेगी टीम

■ दिल्ली सरकार ने शुरू किया हरित निगरानी केंद्र

मोबाइल एप पर आईं 54 हजार शिकायतें

पर्यावरण मंत्री ने बताया कि दिल्ली ग्रीन मोबाइल एप पर अब तक 54 हजार 156 शिकायतें आई हैं। इनमें से नब्बे फीसदी शिकायतों का निपटारा किया जा चुका है। सबसे ज्यादा 32 हजार 573 शिकायतें नगर निगम से संबंधित रही हैं, जबकि लोक निर्माण विभाग से संबंधित नौ हजार 118 व डीडीए से संबंधित तीन हजार 333 शिकायतें आई हैं।

नई दिल्ली, प्रमुख संवाददाता। दिल्ली के लोगों को जाड़े में प्रदूषण से बचाने के लिए सरकार ने सोमवार को हरित निगरानी केंद्र की शुरुआत की। इस मौके पर पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि यहां पर चौबीस घंटे और सप्ताह के सातों दिन प्रदूषण की रोकथाम के लिए विशेषज्ञ तैनात रहेंगे।

पर्यावरण मंत्री ने बताया कि ग्रीन वार रूम में दिल्ली के अलग-अलग निगरानी केन्द्रों में वायु गुणवत्ता के स्तर, पराली जलाने की घटनाओं की निगरानी वास्तविक समय में प्रदूषण के स्त्रोत की स्थिति आदि पर पूरे समय निगाह रखी जाएगी और इसी के अनुसार प्रदूषण से निपटने की रणनीति भी तैयार की जाएगी। ग्रीन वार रूम में विशेषज्ञों की बारह सदस्यीय टीम तैनात रहेगी, जो कि अलग-अलग विभागों के बीच प्रदूषण की रोकथाम को लेकर तालमेल करेगी।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

12 विशेषज्ञों की टीम 24 घंटे रखेगी प्रदूषण पर नजर

प्रदूषण से जंग को सचिवालय में ग्रीन वार रूम की शुरुआत

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : सर्दियों में प्रदूषण से जंग में दिल्ली सरकार ने सोमवार को ग्रीन वार रूम की शुरुआत की। दिल्ली सचिवालय में इसकी औपचारिक शुरुआत के मौके पर पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि यहां पर 24 घंटे प्रदूषण की रोकथाम के लिए 12 विशेषज्ञों की टीम तैनात रहेगी।

पर्यावरण मंत्री ने बताया कि ग्रीन वार रूम में दिल्ली के अलग-अलग निगरानी केंद्रों में वायु गुणवत्ता के स्तर, पराली जलाने की घटनाओं की निगरानी, वास्तविक समय में प्रदूषण के स्रोत की स्थिति आदि पर 24 घंटे निगाह रखी जाएगी, जो कि अलग-अलग विभागों के बीच प्रदूषण की रोकथाम को लेकर तालमेल करेगी। इसी के अनुसार प्रदूषण से निपटने की रणनीति भी तैयार की जाएगी।

मोबाइल एप पर आई 54 हजार से ज्यादा शिकायतें: पर्यावरण मंत्री ने बताया कि दिल्ली ग्रीन मोबाइल एप पर अब तक 54,156 शिकायतें आई हैं, जिनमें से 90 फीसदी शिकायतें निपटाई जा चुकी हैं। सबसे ज्यादा 32,573 शिकायतें नगर निगम से संबंधित रही हैं, जबकि पीडब्ल्यूडी से संबंधित 9,118 व डीडीए से संबंधित 3,333 शिकायतें आई हैं। गोपाल राय ने दिल्लीवासियों से अपील की कि ग्रीन दिल्ली एप को वे अपने मोबाइल पर डाउनलोड कर लें। जहां भी प्रदूषण से संबंधित समस्या दिखे, एप के जरिये शिकायत करें।

दिल्ली सचिवालय में ग्रीन वार रूम की शुरुआत करते गोपाल राय ● सौ. दिल्ली सरकार

सरकार का दावा, 40 प्रतिशत तक कम हुआ प्रदूषण: पर्यावरण मंत्री ने बताया कि दिल्ली सरकार द्वारा उठाए गए तमाम कदमों की वजह से 10 साल में प्रदूषण के स्तर में 40 प्रतिशत तक कमी आई है। 2012 में प्रदूषक कण पीएम 10 का वार्षिक औसत 368 रहा था, लेकिन 2021 में यह स्तर घटकर 221 पर आ गया। यानी इसमें 40 प्रतिशत तक का सुधार हुआ। 2012 में प्रदूषक कण पीएम 2.5 का वार्षिक स्तर 168 रहा था, जो कि वर्ष 2021 में घटकर 113 पर आ गया। यानी इसमें भी 31 फीसदी की कमी आई है, जबकि इस दौरान दिल्ली की आबादी में भी 70 से 80 लाख तक की बढ़ोतरी होने का अनुमान है।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

Hindustan Times ----------DATED----------

Delhi govt launches green war room to monitor air pollution

HT Correspondent
letters@hindustantimes.com

NEW DELHI: Delhi environment minister Gopal Rai on Monday launched an advanced "green war room" at the Delhi secretariat, with an aim to monitor pollution levels in the city, and check implemention of the winter action plan.

The government has formed a 12-member team comprising experts, scientists and engineers who will oversee issues related to different aspects of air pollution at the war room, Rai said.

"Delhi chief minister Arvind Kejriwal had announced the 15-point winter action plan on September 30. The new Graded Response Action Plan (Grap) was enforced in Delhi from October 1. We have been closely monitoring the air quality and stubble situation in and around Delhi. To enable 24x7 monitoring of all our efforts, we are starting the advanced green war oom with 12 members," Rai said, and added that complaints received on the Green Delhi app will also be monitored in the war room.

He said that 54,156 complaints have been received on the Green Delhi app since its launch in October 2020, of which 90% have been resolved.

"A majority of the complaints are pertaining to the Municipal Corporation of Delhi (MCD) or fall under their jurisdiction. A total of 32,573 complaints have been filed on the app under MCD's jurisdiction, around 9,118 complaints have been received against the Public Works Department (PWD) and 3,333 complaints against the Delhi Development Authority (DDA). I urge the people of Delhi to ensure their cooperation and participation in this winter action plan. With climate change and the developments in society, it is only possible to fight against pollution with the support of the people," the minister said.

The Delhi government also plans to monitor 13 pollution hot spots from the green war room. AP ARCHIVE

The war room based out of the Delhi Secretariat near ITO has several screens to monitor different air pollution-related information.

While one screen will display real-time Air Quality Index (AQI) and pollution data, another will show the number of pending complaints on the Green Delhi app. A third screen will depict farm fire data, officials said.

Rai added that the Delhi government also plans to monitor the 13 pollution hot spots, including Narela and Bawana among thers, from the green war room.

* THE TIMES OF INDIA, NEW DELHI
TUESDAY, OCTOBER 4, 2022

Green War Room to keep 24x7 watch

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: Delhi's environment minister Gopal Rai unveiled an "advanced Green War Room" on Monday. The 12-member war room will function round the clock and monitor pollution levels across the city. The Delhi government will work on strategies accordingly to curb pollution in the city, the minister said.

As part of the Delhi government's 15-point winter action plan, the war room will operate from Delhi Secretariat where a team comprising environment scientists and other officials has been deployed. Environment scientist Dr BMS Reddy will be in-charge of the war room while environment engineer NK Joshi has been appointed as assistant in-charge.

GOPAL RAI SAYS

The war room will will monitor air pollution levels 24x7 and ensure that all necessary measures are taken to curb the pollution in accordance with the amended GRAP

"We have launched an advanced 'Green War Room' which will monitor air pollution levels 24x7 and ensure that all necessary measures are taken to curb the pollution in accordance with the amended GRAP. The war room will also analyse pollution data of the city," Rai said.

The war room will be linked with the Green Delhi app through which residents can send their complaints regarding pollution, such as garbage burning. "Necessary instructions will then be issued to the departments concerned to sort the complaints. So far, the app has received 54,156 complaints. Of these, nearly 90% have been addressed," the minister stated.

"Maximum 32,573 complaints were related to the Municipal Corporation of Delhi followed by the Public Works Department (9,118 complaints) and Delhi Development Authority (3,333 complaints)," Rai said.

Urging people of Delhi to report every single instance of dust pollution or garbage burning on the app, Rai said an anti-dust campaign will be launched in Delhi from October 6 to check dust pollution, especially at construction sites.

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

millenniumpost
NEW DELHI | TUESDAY, 4 OCTOBER, 2022

---DATED---

THE WAR ROOM WILL ALSO BE LINKED WITH GREEN DELHI APP: GOPAL RAI

Min launches Green War Room to monitor, combat air pollution 24X7

OUR CORRESPONDENT

NEW DELHI: Environment Minister Gopal Rai on Monday launched an advanced 'Green War Room' here to monitor air pollution and ensure effective implementation of the winter action plan to curb it.

The war room will work from the seventh floor of the Delhi Secretariat where a 12-member team comprising environment scientists and other officials will be deployed, the minister said while addressing a press conference here.

He said environment scientist Dr BMS Reddy will be in-charge of the war room while environment engineer NK Joshi has been appointed as assistant in-charge.

"We have launched an advanced 'Green War Room' from today and it will work round the clock.

"It will monitor air pollution levels 24X7 and ensure that all necessary measures are taken to curb pollution in accordance with the amended GRAP. The war room will also analyse pollution data of the city," Rai said.

Graded Response Action Plan (GRAP) is a set of anti-air pollution measures followed in the capital and its vicinity according to the severity of the situation.

Chief Minister Arvind Kejriwal had on Friday announced a 15-point winter action plan to combat pollution in the city. Under the plan, the GRAP has been enforced in Delhi from October 1.

Rai said the war room will also be linked with Green Delhi App through which residents can send their complaints regarding pollution, such as garbage burning, to the war room. Necessary instructions to concerned departments will then be issued to address the issue, he said. The minister said the app has received 54,156 complaints so far.

"Out of 54,156 complaints, nearly 90 per cent have been addressed. Maximum 32,573 complaints were related to MCD followed by PWD which had 9,118 complaints and 3,333 complaints were related to DDA," Rai said.

The minister cited a report from Centre for Science and Environment (CSE) and said despite the increase in population, Delhi government's efforts to curb pollution have achieved success as in the past 10 years, PM10 levels fell by 40 per cent and PM2.5 by 31 per cent.

"In 2012, the PM10 levels of Delhi were averaged out at 368. In 2021, through the succinct efforts of CM Arvind Kejriwal and his government, the PM10 levels have fallen to 221. PM2.5 was at 164 in 2012 while in 2021 it was 113. PM10 has fallen by 40 per cent in the last 10 years while PM2.5 has been reduced by 31 per cent in the last decade," Rai said citing the CSE report.

The minister said from October 6, an anti-dust campaign will be launched in Delhi to check dust pollution especially at construction sites.

He urged people to report every single instance of dust pollution or garbage burning on the Green Delhi App.

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF N नई दिल्ली। मंगलवार • 4 अक्टूबर • 2022 | राष्ट्रीय सहारा

वायु प्रदूषण की रोकथाम के लिए 'ग्रीन वार रूम' शुरू

नई दिल्ली (भाषा)। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने राष्ट्रीय राजधानी में 24 घंटे वायु प्रदूषण की निगरानी करने और इस पर रोक लगाने के लिए शीतकालीन कार्य योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए सोमवार को एक अत्याधुनिक 'ग्रीन वार रूम' (हरित निगरानी कक्ष) शुरू किया।

गोपाल राय ने यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि यह निगरानी कक्ष दिल्ली सचिवालय की सातवीं मंजिल से कार्य करेगा, जहां पर्यावरण वैज्ञानिक एवं अन्य अधिकारियों सहित 12 सदस्यीय टीम तैनात होगी। उन्होंने कहा कि अत्याधुनिक हरित निगरानी कक्ष 24 घंटे काम करेगा। निगरानी कक्ष शहर के प्रदूषण डेटा का भी विश्लेषण करेगा। जीआरएपी, राष्ट्रीय राजधानी और इसके आसपास के इलाकों में वायु प्रदूषण की गंभीरता की स्थिति के अनुसार अपनाये गए वायु प्रदूषण रोधी उपायों का एक समूह है।राय ने कहा कि यह कक्ष ग्रीन दिल्ली ऐप से भी जुड़ा होगा, जिसके जरिए शहर के निवासी कचरा जलाने जैसी प्रदूषण से संबंधित अपनी शिकायतें कर सकेंगे। इसके बाद समस्या के हल के लिए संबद्ध विभागों को आवश्यक निर्देश भेजे जाएंगे। मंत्री ने बताया कि अब तक शहर के विभिन्न हिस्सों में निवासियों से 54,156 शिकायतें ग्रीन दिल्ली ऐप पर प्राप्त हुई हैं।राय ने बताया कि 54,156 शिकायतों में, करीब 90 प्रतिशत का समाधान कर दिया गया है। अधिकतम 32,573 शिकायतें दिल्ली नगर निगम से संबद्ध हैं। इसके बाद, लोक निर्माण विभाग से 9,118 और दिल्ली विकास प्राधिकरण से जुड़ी 3,333 शिकायतें हैं।"